International Journal of Engineering Research & Management Technology
ISSN: 2348-4039
ICRTSHE-September-2020/ Conf. Issue/ Article No-7/30-32
Email: editor@ijermt.org www.ijermt.org

RECENT TRENDS IN HUMANITIES
मानविकी में उभरते रूझान

Tinku Khatri
Department of Sociology
O.P.J.S. University,
Churu, Rajasthan

सार :
नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ काम करना, मानविकी डिजिटल भविष्य का एक अभिन्न अंग है। डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए, मानविकी अब उन तरीकों की खोज कर रही है जिनमें हमारी संस्कृति, साहित्य, इतिहास, भाषाओं और कला को इलेक्ट्रानिक रूप से संग्रहित और डिजिटल रूप से बिल्कुल सही किया जा सकता है। इससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारी संस्कृति के पचांग के संरक्षण के लिए वि"ाल निहितार्थ होंगे। मानविकी में ि"ाक्षाविद्ों द्वारा अन्तः विषय और नई तकनीकों को नवीन और रोमांचक तरीकों से अपनाया जा रहा है। जा यह सुझाव देते है कि, पूर्वव्यापी, ऐतिहासिक वि"लेषण में निहित होने से हम में से जो मानवता के भीतर काम कर रहे है, वे भविष्य के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी है।
मुख्य भाब्द : डिजिटल मानविकी, उभरते रूझान, ऑनलाईन विकास, प्रौद्योगिकी, नये अन्तराष्टीय स्तर।

परिचय :
मानविकी ने दृढ़ता से तर्क दिया है कि उन्हें अर्न्तराष्टीय अनुसंधान के अवसरों की आव"यकता है और उनके विषयों के डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से इसके साथ अब तक अज्ञात पैमाने पर आगे बढ़ने के साधन भी है। अनुसंधान और उसके संसाधनों के डिजिटल परिवर्तन का मतलब है कि कई कलाकृतियां, दस्तावेज, सामग्री आदि जो मानविकी अनुसंधान में रूचि रखते है, उन्हें अब नये–नये तरीकों से जाड़ा जा सकता है। डिजिटल परिवर्तन के कारण डेटा व जानकारी संस्कृति व समाज के अध्ययन के लिए केन्द्रीय हा गये है। मानविकी अनुसंधान इस तरह की जानकारी, सामाजिक और सांस्कृतिक अनुसंधान क लिए प्रासंगिक होते हुए इस तरह की जानकारी और कई अधिक डेटा ऑब्जेक्ट को प्रबंधित, व्यवस्थित और वितरित करते है। यह विचार, कला और मानविकी में डिजिटल रूप से सक्षम अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण विषय से संबंधित गतिविधियों और घटनाओं को प्रोत्साहित करता है। डिजिटल कला व मानविकी अनुसंधान के आधार पर नए कौ"ाल और समझ के अवसरो की पे"ाक"ा करने के लिए जनता को संलग्न करने के लिए बहुत महत्व है। यह ि"ाक्षकों के लिए नवाचारों, प्रवृत्तियों, चिंताओं के साथ–साथ व्यवहारिक चुनौतियों का सामना करने में योगदान देता है।

मुख्य भाग :
हम सब डिजिटल मानविकी जैसे क्षेत्रों में वास्तविक विकास देख रहे है जो कि कम्प्यूटर प्रौद्योगिकियों के रूप में विविध क्षेत्रों के ज्ञान को एक साथ लाते है। 1920 के द"ाक में एच.जी.वेल्स ने वि"िाष्ट भविष्यवाणी के साथ ''वर्ल्ड ब्रेन'' की कल्पना की। इस प्रकार 21वे द"ाक के तकनीकी विकास की वि"ोष रूप से विकिपीडिया की कल्पना की। यह मानविकी में काम करने वालों की ऐसी रचनात्मक कल्पनाओं के माध्यम से है कि नवाचार और वैज्ञानिक प्रगति अक्सर सम्भव होती है। आज साहित्य कविता और हर तरह के प्रद"ान के साथ हमारी समाज और जुड़ाव के लिए अन्तक्रिया"ालता बढ़ती जा रही है। लुरे स्टीवेन्सन द्वारा ''जैसे इलेक्ट्रोनिक संसाधन साहित्य के प्रभाव की एक समृद्व और गहरी समझ की अनुमति देने के लिए विभिन्न प्रकार के मीडिया को साथ लाते है।'' हमारे समाज की प्रकृति का पता लगाने के लिए उद्भवमानविकी में रूझान इस प्रकार आन्तरिक रूप से एक अन्तः विषय से सम्बन्धित है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी को कला विषयों की रचनात्मकता से लाभान्वित करने की अनुमति देता है, अन्य विषयों से ज्ञान की उपलब्धता और तैनाती ने हमारी समझ को गहरा कर दिया है कि सभी विषयों से अनुसंधान के लिए अधिक बहुमुखी दृष्टिकोण पे"ा कर सकता है। अब हम चिकित्सा मानविकी व डिजिटल मानविकी जस क्षेत्रों में वास्तविक वृद्वि देख रहे है जो क्रम"ाः अंग्रेजी व इतिहास जैसे पारम्परिक विषय क्षेत्रों को सहन करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से चिकित्सा अनुसंधान और कम्प्यूटर प्रौद्योगिकियों के रूप में विविध ज्ञान प्राप्त करते है।

भाास्त्रीय मानविकी :
शास्त्रीय मानविकी में ऐतिहासिक भाषा, साहित्य, कला, इतिहास, पुरातत्व और द"ार्न का अध्ययन है। यह प्रमुख हमारी संस्कृति की उत्त्पति के बारे में हमारी समझ को गहरा करने के लिए डिजाईन किया गया है। साथ ही साथ हमारी दुनिया के सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक मूल्यों के लिए विकल्प प्रदान करता है। मानविकी आम तौर पर स्थानीय परम्पराओं का अध्ययन उनके माध्यम से इतिहास, साहित्य, संगीत और कला का वि"ोष तौर पर व्यक्तियों, घटनाओं व युगों पर जोर देने की समझ है। सामाजिक विज्ञान आम तौर पर प्राकृतिक विज्ञान के उन तरीकों क साथ सामान्यीकरण करके सामाजिक घटनाओं को समझने का प्रयास करता है जो वैज्ञानिक तरीको ंसे विकसित किये जाते है।

''मानविकी शब्द में शामिल है, यह अध्ययन व व्याख्या तक सीमित नहीं है। भाषा आधुनिक और शास्त्रीय दोनों, भाषा विज्ञान, साहित्य, इतिहास विधि"ाास्त्र, द"ार्न, पुरातत्व, तुलनात्मक धर्म, आचार–विचार, आलोचना, कला का सिद्वान्त, सामाजिक विज्ञान के उन पहलुओं को जिनके पास मानवतावादी सामग्री है ओर मानवतावादी तरीकोंसे नियोजित करते है और हमारी विविध विरासत, परम्पराओं, इतिहास आर राष्ट्रीय जीवन की वर्तमान स्थितियों के लिए वि"ोष ध्यान देने के साथ मानव पर्यावरण के लिए मानविकी का अध्ययन व अनुप्रयोग है।''

डिजिटल मानविकी :
मानविकी के भीतर विषयों व क्षेत्रों में डिजिटल अनुसंधान और दृ"य तकनीकों में कौ"ाल विकसित करना। इसमें अध्ययन का केन्द्र डिजिटल उपकरण है। डेटा बनाने, इकट्ठा करने व उन्हें व्यवस्थित करने में विभिन्न प्रकार की फाइलें उपयोग में लाई जाती है। दृ"य श्रव्य के लिए विभिन्न प्रकार के टूल का प्रयोग किया जाता तो सूचना के प्राथमिकता स्रोत पहले से ज्यादा डिजिटलीकृत और ऑनलाईन उपलब्ध हो गये ह। छात्र 100 पुस्तकों की समझ या व्याख्या या विज्युवलाइजे"ान कैसे करेगा, यह सब विभिन्न प्रकार के डिजिटल टूल, विधियों और स्रोतों का उपयोग करके पता लगाया जा सकता हैं संग्रहालयों, पुस्तकालयों अभिलेखागार और अन्य संस्थानोंने डिजिटाइज संग्रह और कलाकृतियां के रूप में नये उपकरण और मानक विकसित किये है जो उन सामग्रियों को म"ाीन पठनीय डेटा में बदल देते है। उदाहरण ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्नि"ान (ओ.सी.आर) और टक्स्ट एनकोडिंग इनि"ाएटिव (टी.ई.आई) ने मानविकी शोधकत्ताओं को भारी मात्रा में पाठ्य सामग्री को सं"ाोधित करने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके नए जीवन में अध्ययन या रूचि के क्षेत्र में लाने में मदद करता है।

डिजिटल प्रौद्योगिकी व मानविकी के विषयों के चौराहे पर विद्वतापूर्ण गतिविधि का एक क्षेत्र है। इसमें डिजिटल मानविकी में डिजिटल संसाधनों के व्यवस्थित उपयोग के साथ साथ उनके अनुप्रयोग का वि"लेषण भी शामिल है। नये अनुप्रयोगों व तकनीकों का उत्पादन और उपयोग करके डिजिटल व मानविकी नये प्रकार के ि"ाक्षण व अनुसंधान को सम्भव बनाता है। ओपन एक्सेस को किसी वेबसाइट को देखने के लिए इंटनेट सक्षम डिवाइज और इन्टरनेट कनैक"ान के साथ किसी को सक्षम करते या भुगतान किए बिना एक लेख पढ़ने के लिए साथ ही उपयुक्त अनुमतियों के साथ सामग्री सांझा करने के लिए डिजाइन किया गया है। डिजिटल मानविकी विद्वान सैद्वान्तिक प्रतिमानों को चुनाती देते, नए प्र"न उत्पन्न करने व नये दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए कम्प्यूटै"ानल विधियों का उपयोग करता है।

डिजिटल मानविकी के लाभ :
गुणात्मक और मात्रात्मक दृश्टिकोण का एकीकरण– आप मानचित्र, समय, डेटा और विजुअलाइजे"ान के साथ डिजिटाइज किए गए पाठ, छवियों और समय–आधारित मीडिया को प्रस्तुत और इंटरलिंक कर सकते हैं।

सामग्री प्रबंधन और डेटा विश्लेशण:
आप खदानों को मैप कर सकते हैं और संसाधनों को फिर से व्यवस्थित कर सकते हैं। जो कुछ भी आपको रूझानों, विषयों और प्रमुख सीखने को उजागर करने की आव"यकता है।

डिजिटल पहुंच के माध्यम से सूचना तक त्वरित पहुँच– इसका मतलब है कि अधिक लोग परियोजना से समीक्षा देख और सीख सकते हैं। आप डेटा के माध्यम से और अधिक आसानी से खोज करने में सक्षम हैं, विभिन्न डेटा स्रोतों को संयोजित करें, प्रासंगिक पृष्ठभूमि सामगो के लिए हाइपरलिंक ओर बहुत कुछ।

उन्नत शिक्षण– डिजिटल मानविकी छात्रों को अधिक देखने, अनुभव करने और एक साथ सहयोग करने में सक्ष्म होने से सीखने में मदद करती है।

बेहतर सहयोग– डिजिटल संसाधन और वातावरण परियोजना के विकास और सामग्री के समूह सोसिंग के लिए एक सामान्य फलक प्रदान कर सकते है, और स्थानीय, क्षेत्रीय और वै"वक सांझेदारी का सुविधाजनक बना सकते हैं।

सार्वजनिक प्रभाव– परियोजनाएं कक्षा से आगे बढ़ती हैं और सार्वजनिक प्रभाव डालती हैं। यह मदद न केवल मानविकी के अध्ययन के मूल्य को दिखाती है, बल्कि डिजिटल परियोजनाएं वि"वविद्यालय की रूपरेखा से बाहर के लोगों को सूचित करने और संलग्न करने में भी मदद कर सकती है।

निश्कर्श :

डिजिटल संसाधनों सहित अनुसंधान सामग्री की एक वि"ाल रेंज तक पहुंच होती है। विषय वि"ोष के ज्ञान पर ध्यान केन्द्रित करने वाली सामग्रियों और समर्थन के अलावा छात्रों के व्यक्तिगत व व्यवसायिक विकास के लिए सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला है, उनके माजूदा कौ"ाल को मजबूत करना और नए कौ"ाल विकसित करना और उन्हें पूरा करने के बाद कैरियर के लिए तैयारकरता है। अप–टू–डेट और वर्तमान सॉफ्टवेयर छात्रों को कागजात रिपोर्ट प्रस्तुतियां बनाने, वेब एक्सेस करने, रोल प्लेइंग, एक दूसरे केसाथ संवाद करने और सम्मेलन करने में योगदान देता ह, साथ ही कई प्रकार के प्रोजेक्ट बनाने व असाइनमट बनाने के लिए संसाधन है।

प्रकृति + प्राकृतिक विज्ञान + प्रौद्योगिकी = प्रकृति में परिवर्तन
समाज + सामाजिक विज्ञान + प्रौद्योगिकी = समाज में परिवर्तन
संस्कृति + मानव विज्ञान + प्रौद्योगिकी = संस्कृति में परिवर्तन।

संदर्भ :

1- www.robert.louisstevenson.org.
2- National foundation of Arts and Humanities Act. 1965